Arrest of a Lady Candidate for LolOSabha Elecrio n along with an Ex-MJP. Under NSA at Bulandshahr, U. P.

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं। मैं एक ऐसे विषय पर सदन का और राष्ट्र का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं जिसका संबंध न केवल मानवीय संवेदना से है बल्कि उत्तर प्रदेश में गत चुनावों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अन्तर्गत जो निष्पक्ष चुनाव होने चाहिए थे उनकी निष्पक्षता पर भी प्रश्न चिह्न लगता है। गत महीने 16 नवम्बर को मतदान के समय प्रातः ही बुलंदशहर जिले के नया कोतवाली थाने के अन्तर्गत जिम्मोरी पोलिंग बूथ पर भारतीय जनता पार्टी सरकार ने बहुजन समाज पार्टी की उम्मीदवार पूर्व सांसद कुमारी मायावती व पूर्व सांसद श्री लाखा को गिरफ्तार कर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगा कर जेल भेज दिया और वे आजकल इलाहाबाद के निकट नैनी सेन्ट्रल जेल में बंद हैं। वहां पर उनको तमाम यातनायें दी जा रही हैं जब कि केन्द्रीय कारागार आगरा और फतेहगढ़ दोनों जगह पर हैं। उनको वहां इसलिए नहीं रखा गया ताकि वहां पर कोई उनसे मिल सकता था और उनके परिवार के लोग वहां जा सकते थे। भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने मायावती को उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का मनोबल तोड़ने के लिए गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इसके पीछे यह दुर्भावना भी काम कर रही है कि एक हरिजन महिला ने सुरक्षित निर्वाचन से न लड़कर सामान्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की हिम्मत क्यों की। भारतीय जनता पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लोगों और अल्पसंख्यकों में आतंक का माहौल पैदा कर रही है और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वाहन न कर सत्ता का दुरुपयोग केवल अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति करने और दबे पिछड़े अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्ग के लोगों को आतंकित करने में कर रही है। उसको तुरन्त बर्खास्त कर देना चाहिए और ऐसी सरकार को नैतिक रूप से शासन में रहने का कोई अधिकार नहीं है। मैं इसी विषय की ओर पूरे देश का और इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती थी।

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करती हूं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, चुनावों के दौरान किसी कैन्डीडेट को इसलिए गिरफ्तार कर दिया जाय कि वह जीत न जाय, यह बड़ा चिन्ता का विषय है और इसकी जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में जानबूझकर हरिजनों का उत्पीड़न, उन पर अत्याचार, उनका शोषण और उनको दबाने का काम हो रहा है, यह बंद कराया जाना चाहिए। इस पर गृह मंत्री जी विशेष ध्यान दें।

Hurdles being created in the beautiication plan of Bhopal CHy

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं भी श्रीमती सत्या बहिन के विशेष उल्लेख का समर्थन करती हूं। मेरा भी स्पेशल मेंशन बी. जे. पी. की सरकार को . . . **(व्यवधान)** गिराने के लिये है।

माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के सौंदर्यीकरण पर जो गुमठियों के आवंटन के कारण प्रेतछाया मंडरा रही है, उसके निवारण की ओर दिलाना चाहती हूं।

भोपाल की सौंदर्यीकरण योजना के तहत आरंभ की गई अतिक्रमण विरोधी मुहिम के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों से हटायी गई गुमठियों का आवंटन पुनः कर दिया गया है। गुमठियों के इस बेतहाशा आवंटन के बाद भी योजनाकारों की संतुष्टि नहीं हुई और यह सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राजधानी के गुमठी आवंटन ने एक उद्योग का रूप ले लिया है, जिसमें नेताओं और अधिकारियों की चांदी हो गई है। किन्तु तुष्टीकरण की नीति के तहत मौलिक आवंटन अभी भी जारी है। कहीं कहीं तो गुमठीधारियों ने पक्के निर्माण भी शुरू कर दिये हैं।

[श्रीमती सईदा खातून]

राजधानी के सौंदर्यीकरण के नाम पर चलाई गई अतिक्रमण विरोधी मुहिम तहत शहर के विभिन्न भागों से हटाई गई गुमठियों के एवज में अब तक आठ गुना से भी अधिक अर्थात् 6 हजार से भी अधिक गुमठियां आबंटित करने के बाद भी योजनाकारों को संतुष्टि नहीं है और आबंटन का यह सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। तुष्टिकरण नीति के तहत शहर के एक सिरे से दूसरे सिरे तक आबंटित गुमठियों की कतारों ने शहर को अपने शिकंजे में कस लिया है। महोदय, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जब बी. जे. पी. सरकार ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत शहर की हजारों बस्तियों को सौंदर्यीकरण के नाम पर उजाड़ा था, तभी हमारी समझ में आ गया था कि अभी ये जो उजाड़े गये हैं इनको फिर बसाया जायेगा क्योंकि उसके पीछे भ्रष्टाचार था। कांग्रेसियों ने तो अपने शासन-काल में गरीबों तथा निराश्रितों को बसाया था। हमारा तो यह मानना था कि इस तरह से शासन करो जैसे कि:

"तमाम उम्र इसी कशमकश में गुजारी हमने,
कि आशियां किसी शाखेचमन पे बार न हो"।

लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने जो गुमठियां आबंटन का कार्य शुरू किया है उसमें सुविधा और सौंदर्यीकरण के सारे उपायों को पीछे छोड़ दिया गया है और उसमें भ्रष्टाचार के एक परनाले को बहाया जा रहा है। महोदय, जिस ढंग से गुमठियों का आबंटन हो रहा है यदि इसी रफ्तार से यह चलता रहा तो नगर की सुविधा और सौंदर्यीकरण तो चौपट हो ही जायेगा लेकिन भोपाल सड़क, सफाई, स्वच्छता, यातायात की व्यवस्था की दृष्टि से भी देश के सबसे समस्याग्रस्त नगरों में से पहले नंबर पर इसको पहचानने में देर नहीं लगेगी। झीलों और ताल-तलैयों के इस सुन्दर शहर को गुमठियों के बियाबान में तब्दील होने में देर नहीं लगेगी।

इसीलिये मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है, अनुरोध है कि केन्द्रीय सरकार फरिश्ता बन कर मध्य प्रदेश की राजधानी का सौंदर्यीकरण करे और गुमठियों की प्रेत छाया से इसे बचाने का कष्ट करे। धन्यवाद।

3.00 P.M.

Reported Circulation of Fake Currency Notes and Illegal Foreign Postal Stamps in Kerala

SHRI B. V. ABDULLA KOYA (Kerala): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would, first of all, thank you for giving me this opportunity of bringing to your ao-tice a matter of high importance. Thei IMangalam, a popular Malayalam daily, dated 27th November 1991, published an alarming report about the prevailing circulation of fake currency notes of the value of Rs. 100, Rs. 20 and Rs. 10. The paper has also published that fake postal stamps of high value of the Gulf State of UAE are also in circulation in the State of Kerala.

I would like to know whether this serious matter has come to the attention of the Government and especially the attention of the hon. Finance Minister and the Home Minister and what immediate action they propose to take iagainst this so as to save ignorant people from these difficulties. The paper has also published a • photo-copy of the currency notes and the stamps. There is also another report in the same paper that a man has been arrested with a bundle of fake notes of the denomination of Rs. 10 in his possession at Kottayam. The Crime Branch Police has already registered nine cases this year alone.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Home Minister, it is for you.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I have noted it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BOASKAR ANNAJI MASODKAR): The Home Minister has taken note of this serious matter.